बादशाहत बरकरार
S.K. कॉलेज के पास बड़ी विहार के सामने, सीकर
RRB में असफल विद्यार्थी
SBI-Clerk में अपनी सफलता को सुनिश्चित करने के लिए

छोटी... बड़ी खबरें

बिसाऊ में चरवाहे ने लगाई फांसी

बिसाऊ @ पत्रिका. जंगल में बकरी चराने का काम करने वाले एक व्यक्ति ने पेड़ पर फांसी का फंदा लगाकर जान दे दी। थानाधिकारी सोहनलाल ने बताया बिसाऊ के वार्ड 14 निवासी प्रकाश उर्फ काशी मेघवाल ने थाने में रिपोर्ट दी कि उसका भाई अर्जुन (45) बुधवार को रोज की तरह ही बकरी चराने की कहकर जंगल की ओर गया था। शाम को घर वापिस नहीं आने पर उसकी तलाश की पर वह कहीं नहीं मिला। पिछले एक महीने से उसकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी। उसने बुधवार को एक खेत में पेड़ पर रस्सी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने जटिया अस्पताल में पोस्टमार्टम करवा कर शव परिजनों को सौंप दिया।

चोरी प्रकरण: पुलिस की संदिग्धों पर नजर

स्वच्छता की मुहिम को लगे पंख...

अब शौचालय में बदबू आने पर बज उठेगी घंटी

पत्रिका

एक्सक्लूसिव

उत्पल शर्मा

rajasthanpatrika.com

पिलानी. प्रधानमंत्री के स्वच्छ भारत अभियान का प्रभाव अब दिखने लगा है। देश के स्वच्छता अभियान में हर कोई अपना योगदान करने लगा है। स्वच्छता आंदोलन से प्रभावित होकर पिलानी में स्थित सीएसआईआर की राष्ट्रीय अनुसंधान प्रयोगशाला केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (सीरी) पिलानी के वैज्ञानिकों ने इस प्रकार के उपकरण का शोध एवं विकास किया है जो शौचालयों आदि की उचित सफाई के अभाव में आने वाली बदबू की जानकारी देगा।

पिलानी. सीरी संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा तैयार किया गया उपकरण।

इस उपकरण ने वैज्ञानिकों की स्वच्छता की मुहिम को पंख लगा दिए हैं। इस उपकरण का विकास करने वाली टीम के प्रभारी तथा सीएसआईआर (सीरी) संस्थान में स्मार्ट सेंसर एरिया के समन्वयक एवं वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक डॉ अजय अग्रवाल बताते हैं कि बड़े भवनों, कार्यालयों, व्यापारिक एवं व्यावसायिक स्थलों तथा सार्वजनिक उपयोग के लिए बने शौचालयों आदि में नियमित सफाई के अभाव में वहां पर बदबू आने लगती है। सम्पूर्ण स्थल एवं आस-पास का वातावरण दूषित होने लगता है। इस प्रकार की स्थिति से बचने के लिए संस्थान के वैज्ञानिकों की टीम ने एक ऐसे उपकरण का विकास एवं निर्माण किया है जो अमोनिया नामक गैस की गंध की पहचान करता है। सफाई के अभाव में जैसे ही शौचालय में अमोनिया गैस बननी शुरू होती है। उसी समय शौचालय में लगा यह सेंसर युक्त उपकरण अमोनिया गैस की पहचान कर लेता है। गैस की पहचान होने पर अलार्म (घंटी) बजने लगता है। अलार्म की सूचना से संबंधित शौचालय की सफाई को सुधारा जाता है। भारत सरकार के स्वच्छ एवं स्वस्थ भारत मिशन के अंतर्गत संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित यह विशिष्ट उपकरण भविष्य में स्वच्छता संबंधी समस्याओं व रोगों से छुटकारा दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। संस्थान ने इस प्रौद्योगिकी का हस्तांतरण मैक्विन इंडिया लिमिटेड कम्पनी को किया है। शीघ्र ही इस उपकरण का बड़े पैमाने पर इसका व्यावसायिक उत्पादन शुरू किया जाएगा।

इनका कहना है...

हमारे संस्थान के वैज्ञानिक राष्ट्रीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए ऐसी प्रौद्योगिकियों के शोध एवं विकास पर कार्य कर रहे हैं जो जटिल होने के साथ-साथ सस्ती भी हो। मुझे अपने संस्थान के वैज्ञानिकों पर गर्व है। जिन्होंने इस इलेक्ट्रॉनिक युक्ति का विकास किया है। यह प्रौद्योगिकी निश्चित रूप से स्वच्छ भारत मिशन के उद्देश्यों की पूर्ति करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान देगी तथा सार्वजनिक स्थलों पर स्वच्छता बनाए रखने में सहायक सिद्ध होगी।

प्रोफेसर शांतनु चौधुरी, निदेशक सीएसआईआर (सीरी)

तीन घंटे तक छकाया प्रशासन को, बाद में नीचे उतारा...

शादी का झांसा